(प्रेस विज्ञप्ति)

कैटलिस्ट कॉलेज समूह लगातार जुटा है राहत मिशन में

पटना और आरा मे वंचितों तक पहुंचा रहा है राहत

जिला प्रशासन को क्वारंटीन पीरियड हेतु दिया पटना बाइपास पर भवन

विश्वव्यापी कोरोना संकट की चुनौती से पूरा विश्व जूझ रहा है | ऐसे समय में प्रत्येक देशवासियों का यह कर्तव्य है कि वे इस संकट का मुक़ाबला करने के लिए कदम से कदम मिला कर साथ चलें तथा इस संकट की घड़ी में सोशल डिस्टेन्सिंग मेंटेन करते हुये, जितना बन पड़े एक-दूसरे की मदद करें | इसी क्रम में **विजयम एजुकेशनल ट्रस्ट के कैटलिस्ट सिमेज समूह के अंतर्गत संचालित 'कैटलिस्ट कॉलेज'** ने भी इस आपदा से पीड़ित लोगों के की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है और पटना के विभिन्न इलाकों से लेकर आरा-भोजपुर तक जरूरतमंदों के मध्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया है |

राजधानी पटना के पीड़ितों की मदद के लिए कैटलिस्ट कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल तथा मेघा अग्रवाल ने विभिन्न बस्तियों और मोहल्लों में जा कर आवश्यक सामग्री का वितरण किया | उन्होने पटना के लालजी टोला, पटना सिटी, बाईपास रोड, आशियाना, शास्त्री नगर, राजीव नगर, कुरजी, दानापुर, एग्जीबिशन रोड, बेली रोड, और कंकरबाग के इलाकों में जरूरतमंदों के बीच राहत सामग्री और मास्क का वितरण किया |

आरा के मुशहर टोला मे भूख से आठ वर्षीय बालक कि मृत्यु कि खबर आने पर वहाँ भी राहत सामाग्री वितरण का अभियान चलाया गया | कैटलिस्ट कॉलेज की ओर से रंजीत कुमार द्वारा भोजपुर जिला के बिहिया थाना के भड़सरा ग्राम के मुशहर टोला, सुंदरपुर, इचरी एंव गजराज गंज के समीप स्थित कई ग्राम के टोलों में राहत अभियान चलाया गया | इन इलाकों में आर्थिक रूप से कमजोर दैनिक आमदनी पर निर्भर परिवारों के बीच खाद्य-सामग्री एंव अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इन सभी बस्तियों मे दैनिक मजदूरी करने वाले निम्नतम आय वर्ग वाले भूमिहीन ग्रामीण रहते है | इन्हें कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा दो सप्ताह के लिए राशन (आटा, चावल, दाल, नमक, आलू), साबुन, वाशिंग पॉवडर, माचिस आदि दिया गया है।

वहीं कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा बाहर से आए प्रवासी मजदूरो और संभावित संक्रमित मरीजो के एकांतवास के लिए पटना बाईपास पर कैटलिस्ट कॉलेज के 70000 स्क्वायर फीट के भवन का उपयोग करने हेतु जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजा है | समूह के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि “अगर सरकार चाहे तो उसका उपयोग मजदूरों के आवासन के लिए कर सकती है। इसमे कई प्रवासी मजदूरों के सोशल डिस्टेंसिंग के साथ आवासन की व्यवस्था की जा सकती है | साथ ही कैटलिस्ट कॉलेज वहाँ ठहरने वालो के लिए राशन के प्रबंध का जिम्मा भी उठाने के लिए तैयार है |"

सीमेज समूह द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से 500 किलो सत्तू दीदारगंज, अगंमकुआ, कंकड़बाग और जक्कनपुर थाना के माध्यम से जरूरतमंदों के मध्य वितरित कराया। इन थानों की तरफ से पटना बाइपास रोड पर पैदल पलायन कर रहे मजदूरो और आस पास की बस्तियों में सत्तू बांटा गया ।

कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा पटना में लोगों की सहायता करने में जो विभिन्न सामाजिक संस्थाएं कार्यरत हैं, उन्हे भी यथोचित राहत सामग्री प्रदान किया गया है ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जरूरतमंदों की मदद कर सकें | इस क्रम में नव-अस्तित्व फाउंडेशन, ग्रामीण स्नेह फाउंडेशन, समाजसेवी सविता जी, अमृता जी, बंटी जी, श्री कमाल नोपानी जी, श्रीमती विनीता मिश्रा जी आदि संस्थाओ और समाज सेवियों को राशन कि सामग्री वितरण हेतु प्रादन कि गयी |

पटना स्थित 'रेनबो होम्स', जहाँ वंचित समाज के बच्चे रहते हैं उन सभी बच्चो के मध्य भी ज़रूरत का समान एवं राहत सामग्री को वितरित किया गया | विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को जरूरत के हिसाब से मास्क, चावल, सत्तू और वाशिंग पॉवडर भिजवाया गया है। इस क्रम में को वंचित समाज के जरूरतमंदों के मध्य वितरित करने के लिए राहत सामग्री प्रदान की गई, जिन्हे उन्होने विभिन्न स्थानो पर वितरित किया |

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera

HOP
STOP
Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera